भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 10/12/2019 को एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रचार – प्रसार व प्रगति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 10/12/2019 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों हेतु एक पूर्ण दिवसीय दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया । हिंदी कार्यशाला में भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर के विभिन्न विभागों के कुल 20 अधिकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ।

हिंदी कार्यशाला में भारतीय खान ब्यूरो कार्यालय के व्याख्याताओं ने अलग – अलग विषयों पर अपने व्याख्यान दिए । इसमें भारतीय खान ब्यूरो के डॉ. पी. के. जैन, राजभाषा अधिकारी ने राजभाषा नीति, श्री ए. मिश्रा, वरिष्ठ सहायक खान नियंत्रक ने एम.सी.डी.आर. के विभिन्न उल्लंघनों से संबंधित पत्राचार, श्री सतीश चौरे, सहायक भंडार अधिकारी, भंडार संबंधी मामलों की जानकारी तथा श्री असीम कुमार, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने हिंदी वर्तनी विषयों पर अपने व्याख्यान दिए ।

अपने व्याख्यान में डॉ. पी. के. जैन, मुख्य खनिज अर्थशास्त्री एवं राजभाषा अधिकारी ने हिंदी कार्यशाला के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदी कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार की राजभाषा नीति का ही एक अंग है । साथ ही यह भी कहा कि जब तक हम अपनी अभिव्यक्ति हिंदी में नहीं करते तब तक हम अपनी प्रतिभा को अच्छी तरह व्यक्त नहीं कर सकते । उन्होंने प्रतिभागियों के समक्ष भारत सरकार की राजभाषा नीति की विस्तृत जानकारी दी तथा प्रतिभागियों की समस्याओं का समाधान किया । श्री ए. मिश्रा, वरिष्ठ

सहायक खान नियंत्रक ने एम.सी.डी.आर. के विभिन्न उल्लंघनों से संबंधित पत्राचार की जानकारी देते हुए एम.सी.डी.आर. के प्रमुख प्रावधानों, नीतियों, खनन संक्रियाओं संबंधी प्रावधानों, अनुमोदित खनन योजना के प्रस्तावों के अनुमोदन आदि से संबंधित विस्तृत जानकारी दी ।

श्री सतीश चौरे, सहायक भंडार अधिकारी, भंडार संबंधी मामलों में भंडार संबंधी सामग्री की खरीद प्रक्रिया और उसका रख – रखाव आदि के बारे में जानकारी देते हुए इसके प्रारूपों से प्रतिभागियों को अवगत कराया ।

श्री असीम कुमार, हिंदी अनुवादक ने हिंदी वर्तनी में होने वाली छोटी – छोटी त्रुटियों की विस्तृत जानकारी देते हुए शब्दों के भेद तथा वर्तनी के कारण इसके अर्थ में होने वाले परिवर्तनों संबंधी जानकारी से प्रतिभागियों को अवगत कराया ।

कार्यशाला में सभी प्रतिभागियों ने अपनी विशेष रूचि दिखाते हुए व्याख्याताओं से अपनी समस्याओं का निवारण किया साथ ही ऐसी कार्यशाला समय – समय पर नियमित रूप से आयोजित किए जाने की इच्छा व्यक्त की ।

कार्यशाला के पश्चात सभी प्रतिभागियों से कार्यशाला के विषय में उनकी प्रतिक्रियाएं भी प्राप्त की गई । सभी प्रतिभागियों ने सकारात्मक प्रतिक्रियाएं व्यक्त की तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सुझाव दिया कि इस प्रकार की हिंदी कार्यशाला समय – समय पर होनी चाहिए तथा तकनीकी विषयों पर भी कार्यशाला आयोजित करने के सुझाव दिए । साथ ही यह भी कहा कि ऐसी कार्यशालाओं से सरकारी कामकाज में काफी मदद मिलती है तथा इस कार्यशाला को पूरी तरह से परिपूर्ण बताया ।

अंत में श्री अभिनय कुमार शर्मा, सहायक संपादक द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई ।

10/12/2019 11:14

10/12/2019 11:15

एम सी डी आर के
विभिन्न उल्लंघनों से
सम्बंधित पत्राचार
10/12/2019 11:32

10/12/2019 14:59